Proposal for setting up of offices/godowns of FCI in Gujarat

759. (SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHAI PATEL: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal to set up offices/godowns of Food Corporation of India in such districts of Gujarat where there is no office/godowns at present;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) by when these are likely to be set up in the State; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (d) Food Corporation of India has informed that they have a plan for reorganisation of the FCI set up in Gujarat region with' a view to set up new District offices, wherever necessary. They also have a plan to construct a godown of 10,000 MT capacity at Bharuch during the 8th Five Year Plan. This is yet to be finally approved.

शीरे से नियंत्रण हटाया जाना

*760. श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शीरे से नियंत्रण हटा लिए जाने के कारण देश में गुड़ के उत्पादन में कमी हो रही है ;

(ख) क्या राज्य सरकारों ने शीरे पर पुनः नियंत्रण लगाने के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत किया है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) इस सम्बन्ध में कोई निश्चित अनुमान उपलब्ध नहीं है । तथापि, अनुमान लगाया गया है कि 1993–94 मौसम के दौरान गुड़ का उत्पादन 1992–93 के पिछले मौसम के दौरान हुए गुड़ के उत्पादन की तुलना में बढ़ा है ।

(ख) और (ग) कुछ राज्य सरकारों ने विनियंत्रण आदेश से उत्पन्न कठिनाइयों के बारे में बताया है और शीरे के मूल्य और अथवा इसके संचलन पर राज्य अधिनियमों और नियमों के अधीन आंशिक नियंत्रण जारी रखने का समर्थन किया है । इनकी जांच की जा रही है ।

Registration of cases against officers of NCCF by CBI

7568. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION
be pleased to state:

(]a) whether it is a fact that the CBI in the recent past registered criminal cases against several officers of National Consumer Cooperative Federation of Kanpur;

(b) whether 'he service rules provide for and suspension of such officers;

(c) whether it is also a fact that the officers involved in these criminal cases have not been placed under suspension so far; and

(d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION SHRI BUTA SINGH): (a) to (d) CBI had registered a FIR on 24.12.93 against 18 persons for investigation as a regular case on alleged irregularities on disposal of Janta handloom textiles at the Kanpur bronch of NCCF during the period 1988-90. As per the provisions in the Service Regulations for NCCF employees, the disciplinary authority may place an employee under suspension where disciplinary proceedings are contemplated or criminal offences are under investigation.

No official in this case has been suspended so far as the Board of Directors in the NCCF decided for further action after receipt of Report from the CBI.

सुपर बाजार की वित्तीय स्थिति

7569. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली स्थित सुपर बाजार की वित्तीय स्थिति निरन्तर खराब होती जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) सुपर बाजार द्वारा प्रतिवर्ष योजना-वार और कर्मचारियों पर कितनी धनराशि खर्च की जा रही है ;

(घ) प्रबंधन समिति द्वारा वित्तीय घाटे को पूरा करने के लिए और फिजूल खर्ची को रोकने के लिए क्या-क्या ठोस कदम उठाये गये हैं ; और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह): (क) जी, नहीं । इसकी बिक्री 1991-92 के 9784.01 लाख रुपए से बढ़कर 1993-94 में 11520.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है और इसका शुद्ध लाभ 1991-92 के 9.33 लाख रुपए से बढ़कर 1993-94 में 41.65 लाख रुपये हो गया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता है ।

(ग) गत दो वर्षों के दौरान विभिन्न शीर्षों पर, सुपर बाजार द्वारा यथासूचित व्यय निम्नवत है :—

(लाख रुपए में)

	1992-93	1993-94
स्थापना	741.06	825.21
ब्याज	20.36	30.02
किराया	33.38	29.87
प्रशासकीय राय	149.07	189.98

(घ) और (ङ) चूंकि सुपर बाजार को गत कई वर्षों से वित्तीय हानि नहीं हुई है, अतः प्रश्न नहीं उठता है ।

खाद्य तेल

7570. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान देश में खाद्य तेलों का अनुमानतः कितना उत्पादन, आयात, निर्यात हुआ और उनकी कितनी खपत हुई ;

(ख) वर्ष 1993-94 के दौरान खाद्य तेलों के आयात-निर्यात पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गयी ;

(ग) देश में 1 अप्रैल, और 31 दिसम्बर, 1993 को खाद्य तेलों का भंडार कितना था; और

(घ) आयातित खाद्य तेल की लागत, बीमा भाड़ा लागत और निर्यात किये जाने वाले खाद्य तेल का निःशुल्क नौभार प्रभारों और इसका देश में औसत मूल्य कितना है ?